ज्ञान समान न आन, जगत में सुख कौ कारण। इहि परमामृत जन्म-जरा-मृत रोग निवारण।।
तातैं जिनवर-कथित तत्त्व अभ्यास करीजे। संशय-विभ्रम-मोह त्याग, आपौ लख लीजे।।

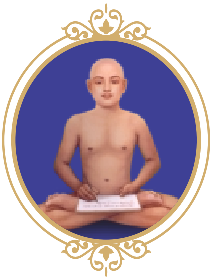

संस्कार तीर्थ
शाश्वत धाम

।। श्री वीतरागाय नमः ।।

सद्धर्मप्रेमी बंधुवर, सादर जय जिनेन्द्र !

आध्यात्मिक सत्पुरुष पूज्य गुरुदेव श्री कानजी स्वामी की मंगल प्रभावना योग में संस्थापित संस्कार तीर्थ शाश्वत धाम संकुल का संचालन श्री कुन्दकुन्द कहान शाश्वत पारमार्थिक ट्रस्ट द्वारा वर्ष 2013 से किया जा रहा है। उदयपुर शहर के एक और मानबिन्दु के रूप में प्रस्थापित इस भव्य संकुल में जैन बालिका संस्कार संस्थान तथा जैन दर्शन कन्या महाविद्यालय ऐसी दो गतिविधियाँ चलती हैं।

देश विदेश के हज़ारों साधर्मी संस्था के साथ निर्माण सौजन्यकर्ता, संरक्षक, शिक्षा सहयोगी आदि रूप से प्रत्यक्ष जुड़े हुए हैं। आप सभी के मानसिक व आर्थिक सम्बल से संस्था का संचालन बहुत ही सुचारु रूप से चल रहा है।

संस्थान का उद्देश्य

सर्वोत्तम लौकिक शिक्षा के साथ-साथ श्रावकाचार के संस्कारों से संयुक्त, वीतरागी देव-शास्त्र-गुरु व आत्महित में समर्पित बालिकाओं को तैयार करना ।

संस्थान की विशेषतायें

- लौकिक शिक्षा के साथ प्रार्थना, जिनेन्द्र पूजन, देवदर्शन, स्वध्याय के साथ आध्यात्मिक ज्ञान व श्रावकाचार की सरल, सुबोध शैली में सैद्धान्तिक व प्रायोगिक शिक्षा
- प्रति दिन पूज्य गुरुदेवश्री कानजी स्वामी का सीडी प्रवचन
- समय-समयपर देश के वरिष्ठ विद्वतजनों की शाश्वतधाम में विशेष कक्षाएँ एवं शिविर
- संस्थान में भी बालिकाओं को लौकिक शिक्षा की अतिरिक्त व्यवस्था
- उत्तम आवास एवं सात्विक भोजन की व्यवस्था
- व्यायाम, संगीत, नृत्य, चित्रकला आदि कलागुणों का विकास
- गोष्ठी, भ्रमण व अन्य साहित्यिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन
- स्वसुरक्षा के लिए कराटे का प्रशिक्षण
- संगीत के सभी साधन, चित्रकला-क्राफ्ट के लिए सभी सामग्री व मार्गदर्शन उपलब्ध

कन्या छात्रावास

- 120 बालिकाओंके 26 आवास कक्ष
  450 स्क्वेर फुट के 8, 300 स्क्वेर फुट के 18 आवास कक्ष
- हर बालिका के लिए स्वतंत्र बेड, स्टडी टेबल, बुक केबीनेट, वॉर्डरोब की सुविधा
- जिम-योगा, हॉबी रूम, कॉम्प्युटर लेब-लायब्ररी के लिए
  600 स्क्वेर फुट के 3 विशाल हॉल
- हर कक्षा के लिए 300 स्क्वेर फुट के 5 स्वतंत्र क्लासरूम
- केवल छात्राओं के लिये 2600 स्क्वेर फुट की स्वतंत्र भोजनशाला
- खेल-कूद के लिए स्वतंत्र प्ले ग्राउंन्ड
- हर फ्लोअर पर वॉटर प्युरीफायर के साथ वॉटर कूलर
- हर फ्लोअर पर रेक्टर/वॉर्डन का आवास
- ग्राउंड फ्लोअर पर ही रेक्टर ऑफिस
- छात्राओं के लिए स्वतंत्र प्रवेश
- छात्राओं की सुरक्षा का संपूर्ण प्रावधान
- हर फ्लोअर पर CCTV केमेरा

जैन बालिका संस्कार संस्थान

जैन बालिका संस्कार संस्थान में प्रति वर्ष आठवीं कक्षा में बालिकाओं को प्रवेश दिया जाता है। प्रवेश की सूचना जनवरी-फरवरी माह में पत्रिकाओं तथा अन्य माध्यमों से दी जाती है। शाश्वत धाम में प्रवेश पात्रता के लिए 7 वीं कक्षा में 60% से अधिक अंक आवश्यक हैं। सामान्यतया अप्रैल के प्रथम सप्ताह में प्रवेश शिविर आयोजित किया जाता है। उसमें बालिका को स्कूल की तथा संस्था की प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

बालिकाओं को उदयपुर की जानी मानी स्कूल MDS CBSE English Medium में प्रवेश दिया जाता है। शाश्वत बालिकाओं ने इस स्कूल में लौकिक शिक्षा के साथ क्रीडा, संगीत, वक्तृत्व, नृत्य व अन्य प्रतियोगिताओं में कई पुरस्कार प्राप्त किये हैं।

संस्थान में प्रवेश लेनेवाली बालिका की स्कूल-बस-अतिरिक्त कोचिंग फी अभिभावकों द्वारा वहन की जाती है। प्रतिवर्ष इस की अनुमानित राशि फॉर्म के साथ बतायी जाती है।

संस्था में बालिका का आवास, भोजन, सुरक्षा, स्वास्थ्य व अन्य कार्यो मे होनेवाले व्यय के लिये नाममात्र राशि ली जाती है। शेष राशि साधर्मियों के सहयोग द्वारा प्राप्त होती हैं । प्रतिवर्ष इसकी सूचना भी अभिभावकों को दी जाती है।

जैन बालिका संस्कार संस्थान में धार्मिक शिक्षा के अंतर्गत बालिकाओं को 8 वीं से 10 वीं कक्षा तक बालबोध भाग 1-2-3, वीतराग विज्ञान भाग 1-2-3, तत्वज्ञान भाग 1-2, जिन धर्म प्रवेशिका, छहढ़ाला, मोक्षशास्त्र 2 अध्याय, भक्तामरस्तोत्र, श्रावक धर्मप्रकाश 4 अध्याय, ज्ञानगोष्ठी 4 अध्याय, बहनश्री के वचनामृत आदि ग्रंथों का अध्ययन कराया जाता है ।

शाश्वतधाम में प्रवेश लेने के पश्चात संकुल में होनेवाली सभी गतिविधियों में जैसे कि पूजा-भक्ति-स्वाध्याय-धार्मिक कक्षा-गोष्ठी में भाग लेना आवश्यक है। लौकिक परीक्षाओं के साथ साथ संस्था द्वारा प्रतिवर्ष ली जानेवाली धार्मिक परीक्षाओं में भी कमसे कम 60% अंक लाना अनिवार्य है।

शाश्वत बालिकाएँ शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखरजी में

जैन दर्शन कन्या महाविद्यालय

शाश्वत धाम में जैन बालिका संस्कार संस्थान की अभूतपूर्व सफलता के बाद बालिकाओं को जैन-दर्शन का गहन अध्ययन कर आत्महित तथा कक्षा/प्रवचन आदि के माध्यम से तत्वज्ञान के प्रचार-प्रसार हेतु सक्षम बनाने की भावना से शास्त्री के पाठयक्रम की अध्यापन कराने वाला देश का प्रथम महाविद्यालय, जैन-दर्शन कन्या महाविद्यालय का शुभारंभ देश के गणमान्य विद्वानों तथा श्रेष्ठीजनों की उपस्थिति में जुलाई 2015 में किया गया।

शास्त्री करने की इच्छुक बालिकाओं का प्रवेश (कक्षा 10 वीं उत्तीर्ण करने के बाद) कक्षा 11 वीं में प्रतिवर्ष मई-जून में किया जाता है। इसकी सूचना पत्रिकाओं तथा अन्य माध्यमोंसे मार्च/ अप्रैल में प्रतिवर्ष दी जाती है। इच्छुक बालिकाएँ तथा उनके अभिभावक निर्देशिका से संपर्क कर सकते हैं या info@shashwatdham.com पर संपर्क कर सकते हैं। प्रवेश की इच्छुक बालिकाओंको उस वर्ष मई-जून में आयोजित 18 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित होना अनिवार्य है।

उपाध्याय (कक्षा 11-12) तथा शास्त्री (बी ए के समकक्ष) कक्षाओं में हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, जैनदर्शन विषय लेकर राजकीय विद्यालय व महाविद्यालय में बालिकायें अध्ययन हेतु जाती हैं। पाठयक्रम पूर्ण होने पर राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर द्वारा शास्त्री की डिग्री (उपाधि) दी जाती है।

शास्त्री प्रथम बैच की शाश्वत बालिकाएँ

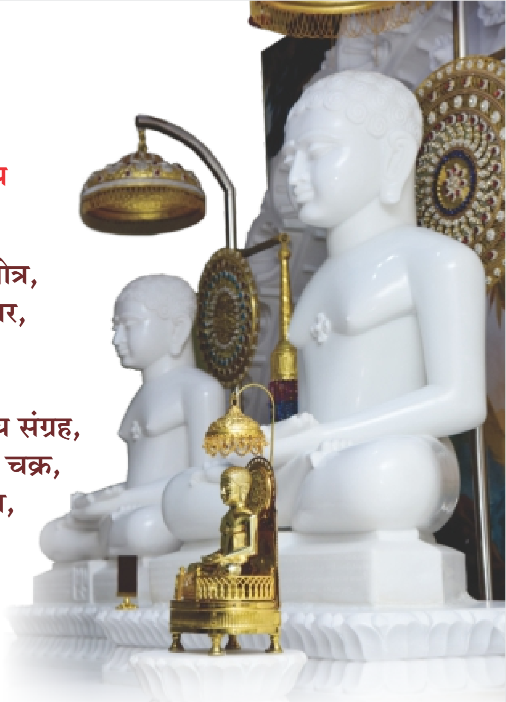

जैन दर्शन कन्या महाविद्यालय के पंच वर्षीय पाठयक्रम में पढ़ाये जाने वाले प्रमुख विषय

बालबोध भाग 1-2-3, वीतराग विज्ञान भाग 1-2-3, तत्वज्ञान भाग 1-2, छहढ़ाला, मोक्षशास्त्र, भक्तामरस्तोत्र, द्रव्य संग्रह, मोक्षमार्ग प्रकाशक, रत्नकरण्ड श्रावकाचार, समयसार (जीवाजीवाधिकार/कर्ताकर्माधिकार), गोम्मटसार जीवकाण्ड/ कर्मकाण्ड,परीक्षा मुख, न्यायदीपिका, प्रमेयरत्नमाला, सर्वार्थसिद्धि, बृहद् द्रव्य संग्रह, आप्त परीक्षा, आप्त मीमांसा, परमभाव प्रकाशक नय चक्र, गुणस्थान विवेचन, क्रमबद्ध पर्याय, धर्म के दशलक्षण, पद्मपुराण, हरिवंश पुराण, ज्ञानगोष्ठी, बहिनश्री के वचनामृत, इत्यादि चारों ही अनुयोगों के 40 ग्रन्थों का अध्यापन कराया जाता है।

शास्त्री करने के बाद बालिका देश की किसी भी प्रतियोगी (भारतीय प्रशासनिक सेवा, प्रादेशिक प्रशासनिक सेवा, बैंक, केन्द्र व प्रदेश के कार्यालय, महाविद्यालय तथा विद्यालय आदि) परीक्षा में योग्यतानुसार सफल हो कर पदस्थापित हो सकती है।

शाश्वत धाम की बालिकायें अवकाश में भी प्रभावना का कार्य करती हैं । दश लक्षण आदि विशेष पर्वों में स्थानीय तथा नगर-उपनगरों में जाकर पाठ-पूजन-प्रवचन-सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि प्रस्तुत करती हैं। वरिष्ठ कक्षाओं की बालिकाएँ विदेश में स्थित बालकों की SKYPE द्वारा अंग्रेजी में पाठशाला भी लेती हैं।

शास्त्री द्वितीय बैच की शाश्वत बालिकाएँ

अतिथि निवास

- अेटेच टॉयलेट बाथ के साथ 333 स्क्वेर फुट के 20 कमरे
- अेटेच टॉयलेट बाथ के साथ 810 स्क्वेर फुट के 2 बडे हॉल
- अतिथियों के लिए 1100 स्क्वेर फुट की स्वतंत्र भोजन शाला
- अतिथियोंके लिए स्वतंत्र प्रवेश व लिफ्ट
- हर फ्लोअर पर वॉटर प्युरीफायर के साथ वॉटर कूलर
- अतिथि निवास के 12 कमरे AC

स्वाध्याय भवन

- आचार्यों व ज्ञानी जनों के ग्रंथ जिनवाणी के रूप में विराजमान
- 3600 स्क्वेर फुट का विशाल स्वाध्याय भवन
- लाईट, साऊन्ड तथा प्रोजेक्टर सुविधाओंसे युक्त
- 30 x 12 का मंच तथा A V Screen की व्यवस्था
- मंच के साथ ग्रीन रूम, साउन्ड कन्सोल, स्टोर रूम
- स्वाध्याय भवन में कुंदकुंदाचार्य और गुरुदेव श्री के साथ अन्य आचार्य व ज्ञानी पुरुषों के चित्र

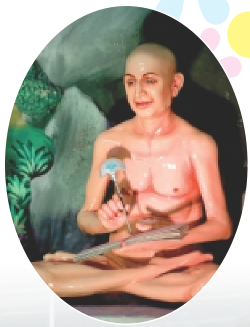

जिन मंदिर

- प्रथम तल पर 2700 स्क्वेर फुट का विशाल जिन मंदिर
- शांतिनाथ, पदमप्रभ, सीमंधर भगवान की पद्मासन प्रतिमाएँ
- आदिनाथ भगवान–महावीर भगवान की धातुकी प्रतिमाएँ
- द्वितीय तल पर नेमिनाथ भगवान की खड़्गासन प्रतिमा
- मंदिर जी में पाँच सिध्द क्षेत्र तथा स्वर्णपुरी सोनगढ के चित्रपट
- ग्राउन्ड फ्लोअर से द्वितीय तल तक लिफ्ट की सुविधा

मानस्तंभ

- मंदिर के अनुरूप लाल पत्थर में निर्माण
- 9 फुट चबूतरे पर 51 फुट का उत्तुंग मानस्तंभ
- मानस्तंभ परिक्रमा के लिए पर्याप्त जगह
- द्वितीय तल से मानस्तंभ के शिखर में विराजित जिनबिंबों का दर्शन

जिनवाणी भवन

- ग्राउन्ड फ्लोअर पर 2100 स्क्वेर फुट का भव्य जिनवाणी भवन
- जिनवाणी भवन में सीमंधर देशना का निर्माण
- ताम्र पत्र पर पंच परमागम तथा धवला आदि ग्रंथ विराजमान
- पूज्य गुरुदेवश्री कानजी स्वामी द्वारा प्रवचन किये गये 37 ग्रंथ जिनवाणी के रूप सुंदर वेदी में विराजमान
- बारह भावना के अत्यंत मनोहर चित्रपट
- सत्साहित्य–सीडी का प्रकाशन एवं वितरण

शाश्वत संरक्षक योजना

संरक्षक : ₹1 लाख
परम संरक्षक : ₹2.5 लाख
यह राशि आप तीन वर्ष में भी जमा कर सकते हैं ।
परम शिरोमणि संरक्षक : ₹11 लाख
शिरोमणि संरक्षक : ₹ 5 लाख
यह राशि आप पाँच वर्ष में भी जमा कर सकते हैं ।

शाश्वत शिक्षा सहयोग

एक बालिका आजीवन : ₹5,00,000
एक बालिका 5 वर्ष : ₹1,50,000
यह राशि आप पाँच वर्ष में भी जमा कर सकते हैं ।
एक बालिका 1 वर्ष : ₹31,000

शाश्वत भोजन सहयोग

शाश्वत भोजन तिथि : ₹21,000
एक दिन का भोजन : ₹11,000
एक समय का भोजन : ₹7,100
एक समय का अल्पाहार : ₹5,100

शाश्वत पूजन तिथि

शाश्वतधाम संकुल में स्थित
श्री सीमंधर जिनालय में शाश्वत पूजन तिथि
योजना में भी आप सहयोग कर सकते हैं ।
जिनमंदिर पूजन तिथि : ₹11,000

आप सहयोग राशि "श्री कुंदकुंद कहान शाश्वत पारमार्थिक ट्रस्ट" के नाम से जमा करा सकते हैं ।

Name of the Account : Shri Kundkund Kahan Shashwat Parmarthik Trust
State Bank of India, Main Branch, Udaipur
Account No : 33326873132   IFSC Code No : sbin0001533

ट्रस्ट को दी गई दानराशि पर इन्कम टैक्स में 80G के अंतर्गत छूट देय है ।
(PAN No.: AAMTS6498J)

यदि आप बैंक में राशि सीधी जमा कर देते है तो जमा करने के पश्चात कृपया कोषाध्यक्ष को अवश्य सूचित करें। जिस से आपकी राशि की रसीद भेजने में सुविधा हो।

कार्यकारिणी

अध्यक्ष: अजित जैन, बड़ौदा । 98243 98999
उपाध्यक्ष: राजकुमार शास्त्री, द्रोणगिरि । 94141 03492
कोषाध्यक्ष: आई. एस. जैन, मुंबई । 98335 70056
संयोजक: ललित किकावत, लूणदा । 97855 79909
महामंत्री: बी. डी. जैन जैन, मुंबई । 98190 76062
मंत्री: डॉ. जिनेंद्र शास्त्री, उदयपुर । 94142 64013

संस्थापक ट्रस्टी:

स्व. कन्हैयालाल दलावत । ताराचंद जैन
भागचंद कालिका, उदयपुर । राजकुमार शास्त्री, द्रोणगिरि
चांदमल किकावत, लूणदा

ट्रस्टी:

नरेन्द्र दलावत । नरेन्द्र वालावत
भावेश कालिका
डॉ. महावीरप्रसाद शास्त्री, उदयपुर
डॉ. अंकित शास्त्री, लूणदा
प्रेमचंद बजाज, कोटा
राजकुमार अजमेरा, रतलाम
डॉ. वासन्तीबेन शाह
देवीलाल जैन, मुम्बई
महीपाल ज्ञायक, बांसवाड़ा

निर्देशिका:

डॉ. ममता जैन । 99281 49886

श्री कुन्दकुन्द कहान शाश्वत पारमार्थिक ट्रस्ट, उदयपुर

संस्कार तीर्थ

शाश्वत धाम

एयरपोर्ट रोड, तुलसीदास की सराय,
पोस्ट गुड़ली वाया झिंक स्मेल्टर,
जिला उदयपुर (राज.) 313 024

संपर्क
प्रबंधक - 96949 40562
इ-मेल: info@shashwatdham.com